SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

वट वृक्ष

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता

समाचार-पत्र, जनवरी-मार्च 2025

महानिदेशक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के समाचार-पत्र "वट वृक्ष" के चतुर्थ संस्करण प्रस्तुत करते प्रसन्नता हो रही है। इस अंक के मुखपृष्ठ पर कोलकाता के प्रतिष्ठित मार्बल पैलेस को दर्शाया गया है जो शहर की समृद्ध स्थापत्य विरासत का प्रमाण है।

राजेन्द्र नाथ मल्लिक का निवास, जिसे अब एक संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया गया है, उत्तर कोलकाता की उन्नीसवीं सदी की सबसे भव्य और शाही महलों में से एक है। इसे 1835 में एक फ्रांसीसी वास्तुकार द्वारा बनाया गया था। इस महल का विशाल अग्रभाग एक भव्य प्रवेश द्वार से सुसज्जित है, जिसमें स्टुको कारीगरी और छह नालीदार कोरिंथियन कॉलम हैं, जिनके ऊपर एक जटिल रूप से अलंकृत त्रिकोणीय कलश (पेडिमेंट) बना हैं। महल को घेरे हुए उद्यान में संगमरमर के फव्वारे और ग्रीक तथा हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ हैं। इनमें " लीडा और स्वान" की प्रभावशाली मूर्ति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इसके अलावा, इस परिसर में एक चिड़ियाघर भी है, जिसे 'नीलमणि निकेतन' के नाम से जाना जाता हैं। महल के फर्श पर लगभग 90 प्रकार के नमूनेदार संगमरमर का उपयोग किया गया था, जिससे इसे मार्बल पैलेस नाम मिला। महल में पश्चिमी मूर्तियों, झूमर, घड़ियाँ, कलश आदि जैसी प्राचीन वस्तुओं और रूबेन और सर जोशुआ रेनॉल्ड्स जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की ऑयल चित्र सहित अनेक चित्र संग्रहित हैं।

इस तिमाही के दौरान, हमने 'रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा', 'अनुपालन लेखापरीक्षा पर कार्यशाला', 'रेलवे स्टोर्स की लेखापरीक्षा' पर तीन अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, हमने पर्यवेक्षकों और डीआरएएओ/डीपीएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न सामान्य और आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं।आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।

उदय शंकर प्रसाद
महानिदेशक
क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,कोलकाता

विषय-सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ
1.	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	4
2.	अनुपालन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय कार्यशाला	7
3.	रेलवे स्टोर्स की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण	9
4.	सार्वजनिक निजी भागीदारी की लेखापरीक्षा	11
5.	पर्यवेक्षकों और डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण	12
6.	लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा साक्ष्य और लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग पर प्रशिक्षण	18
7.	आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत पर प्रशिक्षण	20
8.	एमएस एक्सेल एडवांस पर प्रशिक्षण	21
9.	आरटीआई रिक्रिएशन क्लब का सांस्कृतिक और खेल उत्सव	22
10.	तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	25
11.	इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढ़ाचा उपलब्ध कराया गया।	26
12.	एस.टी.एम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ	26
13.	उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाहय कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।	27
14.	संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)	28
15.	विशेषज्ञ/पेशेवर संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि. से बाहय)	30
16.	फ्रीलांस/विशेषज्ञ संकाय सदस्य	31
17.	इन-हाउस संकाय सदस्य	32
18.	प्रश्नोत्तरी और प्रश्नोत्तरी के उत्तर	33

रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस) एक उन्नत, कंप्यूटर-आधारित उपकरण है जिसका उपयोग स्थानिक डेटा को एकत्रित करने, प्रबंधित करने, विश्लेषण करने और चित्रित करने के लिए किया जाता है। यह भौगोलिक जानकारी को संग्रहित करने, पुनः प्राप्त करने, संशोधित करने और प्रदर्शित करने की क्षमता प्रदान करता है, जो प्रायः परतों वाले मानचित्रों और *3D* दृश्यचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत की जाती है। स्थानिक संबंधों का विश्लेषण करके जी.आई.एस जटिल डेटा को सहज प्रारूपों में व्यवस्थित करता है, जिससे सूचित निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

सार्वजनिक लेखापरीक्षा के क्षेत्र में, जी.आई.एस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) सामाजिक क्षेत्र, पर्यावरण और वन, जल निकायों तथा भूमि उपयोग योजना जैसे क्षेत्रों की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पारंपरिक डेटा में स्पष्ट न दिखने वाली स्थानिक जानकारी प्रदान करके लेखापरीक्षा की प्रभावशीलता को बढ़ाता है। विशेष रूप से, *ISSAI 5540* जी.आई.एस को लेखापरीक्षा उपकरण के रूप में उपयोग करने हेतु व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करता है, विशेषकर आपदा प्रबंधन और संबंधित सहायता के लेखापरीक्षा में। यह लेखापरीक्षकों को बेहतर लेखापरीक्षा परिणामों के लिए भू-स्थानिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

लेखापरीक्षकों को उन्नत उपकरणों से सशक्त बनाने के अपने उद्देश्य के अनुरूप, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता ने 24 से 28 फरवरी 2025 तक "रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस के माध्यम से लेखापरीक्षा" पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, रिमोट सेंसिंग की अवधारणाएँ, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग (डी.आई.पी), जी.आई.एस की मूल बातें, मानचित्र प्रक्षेपण, जी.पी.एस का परिचय और लेखापरीक्षा में जी.पी.एस के अनुप्रयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सम्मिलित किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन एनआरएससी, इसरो कोलकाता के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी श्री आनंद जे.जे.एस. और सुश्री मीना पी.वी,क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,बैंगलोर के मुख्य संकाय सदस्य ने भी अपने विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए।

श्री अनिंद्य दासगुप्ता, महालेखाकार, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ।

महालेखाकार श्री अनिंद्य दासगुप्ता ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए।

डॉ. सुपर्ण पाठक, उप महाप्रबंधक ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए।

अनुपालन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय कार्यशाला

अनुपालन लेखापरीक्षा में यह मूल्यांकन किया जाता है कि लागू कानूनों, नियमों और आदेशों के प्रावधानों का ठीक से पालन हो रहा है या नहीं। यह लेखापरीक्षा जवाबदेही, सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह भिन्नता, कमियों की पहचान करता है और औचित्य का मूल्यांकन करता है। मार्च 2025 में, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता ने अनुपालन लेखापरीक्षा पर एक गहन कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएजी के डीपीसी अधिनियम, 1971 की रूपरेखा, अनुपालन लेखापरीक्षा से संबंधित लेखापरीक्षा मानकों, सार्वजनिक क्षेत्र के लेखापरीक्षा, अनुपालन लेखापरीक्षा दिशानिर्देशों, लेखापरीक्षा डिज़ाइन मैट्रिक्स, लेखापरीक्षा योजना में जोखिम मूल्यांकन, वार्षिक अनुपालन लेखापरीक्षा योजना की तैयारी और केस स्टडी पर चर्चा से आरंभ हुई। पाठ्यक्रम के दौरान, श्री अतुल प्रकाश, महालेखाकार, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), ओडिशा, भुवनेश्वर एवं चार समूह अधिकारियों ने प्रतिभागियों में अनुपालन लेखापरीक्षा पर अपने बहुमूल्य अनुभव और विचार साझा किए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत सराहनीय रहा और इसे 9.31 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री अतुल प्रकाश, महालेखाकार, अनुपालन लेखापरीक्षा कार्यशाला में अपने सत्र के दौरान।

अनुपालन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय कार्यशाला के प्रतिभागी एवं क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के मुख्य संकाय सदस्य ।

श्री राजकिशोर मोहापात्रा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), ओडिशा, भुवनेश्वर (जिन्हें यूट्यूब पर आरके डिडैक्टिक्स के नाम से भी जाना जाता है), अनुपालन लेखापरीक्षा कार्यशाला में अपने सत्र के दौरान।

रेलवे स्टोर्स की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान (क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं), कोलकाता को स्थानीय शासन और परिवहन क्षेत्रों के लिए ज्ञान केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के उद्देश्य से, 20 से 24 जनवरी 2025 तक "रेलवे सामग्री की लेखापरीक्षा" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन सत्र और प्रतिभागियों के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान कई प्रमुख विषयों को शामिल किया गया, जिनमें स्टोर्स विभाग का संगठन और सामग्री का वर्गीकरण, सामग्री प्रबंधन विभाग के उद्देश्य और कार्य, खरीद नीतियाँ, मांगपत्र और निविदाएँ, सामग्री का नामकरण, स्टोर्स लेखांकन और सामग्री की खरीद की जिम्मेदारी, स्टोर्स लेन-देन का कंप्यूटरीकृत लेखांकन, स्टोर्स की खरीद का लेखापरीक्षा, स्टोर्स की खरीद से संबंधित अनुबंधों के मूल सिद्धांत, अनुबंधों की जांच, खरीद के लिए वार्षिक कार्यक्रम प्रणाली, स्टोर्स की प्राप्ति और अभिरक्षा, स्क्रैप का प्रबंधन, स्टॉक सत्यापन, रेलवे स्लीपर की खरीद की सामान्य प्रक्रिया, स्टॉक सत्यापन रिपोर्टों की जांच, सामग्री प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमएमआईएस), लौटाई गई और आयातित सामग्रियों की लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ और केस स्टडीज़ शामिल थे।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

अनुभवी संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षण का संचालन किया और प्रतिभागियों के साथ महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। इस पाठ्यक्रम की अत्यधिक सराहना की गई और प्रतिभागियों से इसे कुल 9.56 की रेटिंग प्राप्त हुई।

Dedicated to Truth in Public Interest

श्री सुभाशीष बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, पूर्व रेलवे, कोलकाता, रेलवे स्टोर्स की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान।

मुख्य संकाय सदस्य श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं कोलकाता रेलवे स्टोर्स की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के साथ

सार्वजनिक निजी भागीदारी की लेखापरीक्षा

संस्थान ने 10 से 13 मार्च 2025 तक उपयोगकर्ता कार्यालयों के लिए "सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की लेखापरीक्षा" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सत्र के प्रारंभ में सार्वजनिक-निजी भागीदारी का परिचय दिया गया, जिसमें पीपीपी का अर्थ, पीपीपी के लिए आवश्यक शर्तें, पीपीपी की आवश्यकता, उद्देश्य, जोखिम और लाभ जैसे विषय शामिल थे। प्रशिक्षण में आगे मॉडल रियायत एग्रीमेंट्स, पीपीपी परियोजनाओं की समीक्षा और स्वीकृति, पीपीपी की लेखापरीक्षा प्रक्रिया, पीपीपी परियोजनाओं की लेखापरीक्षा का अधिदेश, अंतरराष्ट्रीय लेखापरीक्षा मानक और पीपीपी लेखापरीक्षा के दिशानिर्देश, पीपीपी लेखापरीक्षा के दायरा और उद्देश्य, लेखापरीक्षित दस्तावेज़ों के प्रकार, लेखापरीक्षा पद्धति और लेखापरीक्षा निष्कर्ष एवं सिफारिशों की रिपोर्टिंग के साथ केस स्टडीज को भी शामिल किया गया।

अनुभवी संकाय सदस्यों में एक चार्टर्ड एकाउंटेंट, एक समूह अधिकारी और वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी ने प्रतिभागियों के साथ मूल्यवान अनुभव और जानकारी साझा की। इस पाठ्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई और इसे 9.55 की समग्र रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री सदानंद नस्कर, उपमहालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार झारखंड, रांची अपने सत्र के दौरान।

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पीपीपी के प्रतिभागियों के साथ

पर्यवेक्षकों और डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने 13 जनवरी से 21 फरवरी 2025 तक उपयोगकर्ता कार्यालयों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम में विभाग का अवलोकन जिसमें प्रमुख नियमों, विनियमों और आवश्यक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के साथ-साथ टिप्पण एवं प्रारूपण कौशल को भी शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने ओआईओएस, ई-एचआरएमएस, ई-ऑफिस, आईडिया और टैब्लू जैसे विभिन्न आईटी सॉफ्टवेयर टूल्स के साथ-साथ आईटी लेखापरीक्षा तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास और संप्रेषण कौशल पर विशेष बल दिया गया ताकि लेखापरीक्षित संगठनों के साथ प्रभावी संवाद को बढ़ाया जा सके। इसमें उत्साह, कर एवं कर कानून, उन्नत एमएस एक्सेल सुविधाएँ और हिंदी राजभाषा सहित विविध विषयों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में कंप्यूटर-सहायित लेखापरीक्षा तकनीकों, पारदर्शिता, रचनात्मक समस्या समाधान, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन, बजट से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, सीएजी कार्यालय में आचार संहिता का पालन, व्यावसायिक विकास के अवसर और जेंडर सेंसिटाइजेशन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का भी समावेश किया गया।

सभी प्रतिभागियों को व्यक्तिगत और समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के भाग के रूप में, उन्होंने अलीपुर संग्रहालय (जेल संग्रहालय) का भ्रमण किया, जहाँ संग्रहालय प्राधिकरण द्वारा उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस पाठ्यक्रम को प्रतिभागियों से 9.34 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

अभिविन्यास प्रशिक्षण के उद्घाटन के दौरान क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के महानिदेशक श्री शरत चतुर्वेदी और मुख्य संकाय सदस्य।

श्री मनीष कुमार, प्रधान महालेखाकार, लेखापरीक्षा-II, पश्चिम बंगाल, कोलकाता अपने अभिविन्यास प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

श्री दीपक कुमार सिंह, व.ले.प.अ, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता और सुश्री दीपा मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएसडब्ल्यूबी अभिविन्यास प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के साथ।

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, इमेज कंसल्टेंट, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

चार्टर्ड अकाउंटेंट सुश्री रितुंशा लालवानी, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

श्री देवब्रत सेनगुप्ता, उप महाप्रबंधक, आरबीआई अपने अभिविन्यास प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

श्री गौरव कुमार ओमी, मुख्य संकाय, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, नागपुर, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

श्री नवीन प्रजापति, सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा हिंदी) अपने अभिविन्यास प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

श्री जॉयदीप मुखर्जी, स.ले.प.अ, सीएजी कार्यालय, अभिविन्यास प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान।

श्री उज्जल बोस, मुख्य संकाय सदस्य, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

सुश्री पारिजात सैकिया, मुख्य संकाय सदस्य, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

श्री तापस मुखोपाध्याय, पीएस, महानिदेशक, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता ने अलीपुर संग्रहालय (जेल), कोलकाता के निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता से सुश्री पारिजात सैकिया, स.ले.प.अ, श्री अरिजीत बागची, श्री तापस मुखोपाध्याय, अलीपुर संग्रहालय के समूह फोटो में अभिविन्यास प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के साथ।

श्री राजीव कुमार साहू, मुख्य संकाय सदस्य, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता, अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने सत्र के दौरान।

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी प्रशिक्षण के दौरान आयोजित गतिविधियों में भाग लेते हुए।

लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा साक्ष्य और लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग पर प्रशिक्षण

लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा साक्ष्य और लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग लेखापरीक्षा विभाग का आधार हैं। विभागीय लेखापरीक्षकों की दक्षताओं को सशक्त बनाने के लिए 28 से 30 जनवरी 2025 तक एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य लेखापरीक्षकों को प्रभावी ढंग से लेखापरीक्षा की योजना बनाने, लेखापरीक्षा साक्ष्य एकत्र करने और उसका मूल्यांकन करने, स्पष्ट, सटीक और प्रभावशाली लेखापरीक्षा रिपोर्ट तैयार करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। प्रशिक्षण में जोखिम आकलन, महत्वपात्रता, प्रलेखन मानकों और लेखापरीक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया गया।

मुख्य विषयों में शामिल थे:

- **लेखापरीक्षा योजना**: योजना के प्रकार और पैमाना, योजना निर्माण की प्रक्रिया और पद्धतियाँ, लेखापरीक्षा जगत का मानचित्रण, लेखापरीक्षित इकाइयों की रैंकिंग, लेखापरीक्षा मानदंडों और उद्देश्यों की परिभाषा, जोखिम आकलन करना, लेखापरीक्षा डिज़ाइन मैट्रिक्स की तैयारी, सांख्यिकीय नमूनाकरण, और संरचित लेखापरीक्षा योजना के समग्र लाभ।
- **लेखापरीक्षा साक्ष्य**: लेखापरीक्षा साक्ष्य की अवधारणा और प्रकारों की समझ, साक्ष्य संग्रह और मूल्यांकन की विधियाँ, प्रलेखन प्रथाएँ तथा साक्ष्य प्रबंधन में आईटी उपकरणों का एकीकरण।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

- **लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग***:* मेमो से लेकर अंतिम आउटपुट तक लेखापरीक्षा रिपोर्टों की संरचना, स्पष्टता सुनिश्चित करना और निर्धारित शैली मार्गदर्शिका का पालन करना, प्रस्तुतिकरण के प्रारूपों और समय-सीमा की समझ तथा विभिन्न प्रकार की रिपोर्टिंग को शामिल करना जिसमें अनुपालन लेखापरीक्षा, निष्पादन लेखापरीक्षा और वित्तीय लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग शामिल है ।

इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में संघ और राज्य की रिपोर्टों के उदाहरणों का उपयोग करते हुए लेखापरीक्षा योजना, साक्ष्य और रिपोर्टिंग पर एक केस स्टडी चर्चा शामिल थी। पाठ्यक्रम में लेखापरीक्षा योजना, साक्ष्य एकत्र करने और रिपोर्टिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल्स की भूमिका, साथ ही ओआईओएस की भूमिका का भी विश्लेषण किया गया। इस प्रशिक्षण को प्रतिभागियों द्वारा अत्यधिक सराहा गया और इसे 9.64 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी प्रासंगिकता और गुणवत्ता को दर्शाता है।

श्री सदानंद नस्कर, उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार, (लेखापरीक्षा), झारखंड, रांची, लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा साक्ष्य और लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत पर प्रशिक्षण

तकनीकी युग की आवश्यकताओं के अनुरूप सीएजी लेखापरीक्षकों को आवश्यक कौशल प्रदान करने हेतु संस्थान ने 3 से 11 मार्च 2025 तक "आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत " पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण" का केंद्रबिंदु उन सिद्धांतों और प्रक्रियाओं पर रहा जो किसी संगठन की आईटी प्रणालियों, नियंत्रणों और प्रक्रियाओं के मूल्यांकन में अपनाए जाते हैं। सत्रों में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया, जिससे लेखापरीक्षकों को आईटी लेखापरीक्षा की भूमिकाओं के लिए तैयार किया गया। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों से 9.31 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

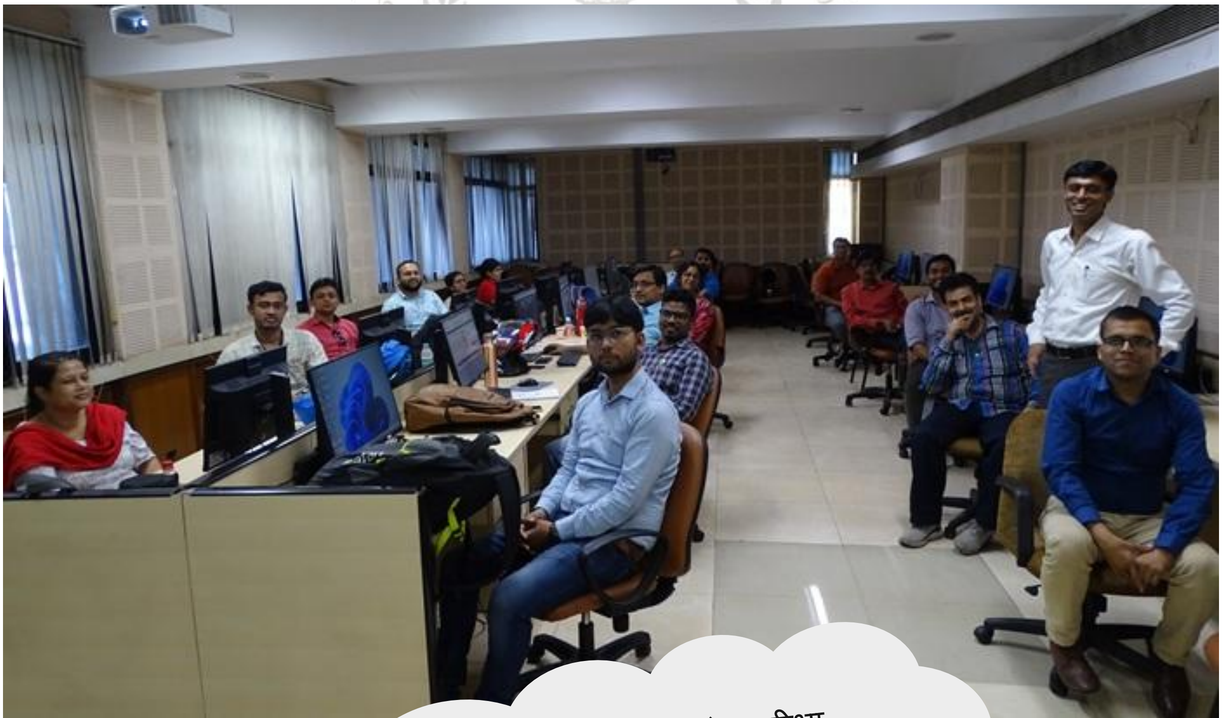

श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय सदस्य, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता, आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत पर अपने प्रशिक्षण के दौरान।

एमएस एक्सेल एडवांस पर प्रशिक्षण

जटिल डेटासेट का विश्लेषण और प्रबंधन करने वाले लेखापरीक्षकों के लिए उन्नत एक्सेल कौशल अपरिहार्य हैं। प्रभावशाली फ़ंक्शन और फ़ॉर्मूलों के उपयोग तथा गतिशील रिपोर्ट तैयार करने के माध्यम से, एमएस एक्सेल की उन्नत विशेषताएँ दक्षता, सटीकता और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण को काफी हद तक बढ़ा सकती हैं। लेखापरीक्षकों को इन आवश्यक कौशलों से लैस करने के उद्देश्य से वर्ष 2025 के फरवरी और मार्च में दो उन्नत एमएस एक्सेल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इस पाठ्यक्रम में बाह्य विशेषज्ञ संकाय सदस्यों के साथ-साथ संस्थान के इन-हाउस संकाय सदस्यों ने भी सत्रों का संचालन किया। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

मुख्य संकाय सदस्य श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (बाएं), और श्री राजीव कुमार साहू, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (दाएं), क्रमशः फरवरी 2025 और मार्च 2025 में आयोजित उन्नत एमएस एक्सेल पर अपने सत्र के दौरान।

आरटीआई रिक्रिएशन क्लब का सांस्कृतिक और खेल उत्सव

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता में अपने कर्मचारियों के लिए एक समर्पित क्लब है। पिछले तिमाही में, इस क्लब ने अपने सदस्यों के लिए खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें चार टीमें–एडमिन स्ट्राइकर्स, जनरल वॉरियर्स, नॉलेज मास्टर्स और टेक टाइटन्स–शामिल थे, जिन्हें वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों द्वारा नेतृत्व किया गया। टूर्नामेंट में कई लीग मैच हुए और फाइनल मुकाबला एडमिन स्ट्राइकर्स और जनरल वॉरियर्स के बीच हुआ। जनरल वॉरियर्स विजेता घोषित हुए, जबकि एडमिन स्ट्राइकर्स उपविजेता रहे।खेल गतिविधियों के उपरांत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संगीतकारों और गायकों ने रेट्रो गाने, बॉलीवुड हिट्स, लोक संगीत और आइटम सॉन्ग सहित विभिन्न शैलियों की प्रस्तुतियाँ दीं। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम ने एक सुकूनदायक और आनंददायक वातावरण प्रदान किया, जिससे आपसी सहयोग व सौहार्द को बढ़ावा मिला। सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत एक 'होली मिलन समारोह' का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों की एक झलक कुछ तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत की जा रही है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

REGIONAL
TRAINING

REGIONAL
TRAINING

REGIONAL
TRAINING

जनरल वॉरियर्स - विजेता टीम (बाएं) और एडमिन स्ट्राइकर्स - उपविजेता टीम (दाएं)

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान म्यूजिकल बैण्ड के साथ क्लब सदस्य।

होली मिलन समारोह के दौरान क्लब सदस्यों ने एक-दूसरे को रंग लगाया और मिठाइयां बांटी

जनवरी से मार्च 2025 तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सामान्य पाठ्यक्रम	से	तक
भारतीय लेखांकन मानकों पर संगोष्ठी	06.01.2025	10.01.2025
जी.ई.एम सहित वस्तुओं, सेवाओं और कार्यों की खरीद	07.01.2025	09.01.2025
पर्यवेक्षकों और डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण	13.01.2025	07.02.2025
लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा साक्ष्य और लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग	28.01.2025	30.01.2025
रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय कार्यक्रम	24.02.2025	28.02.2025
सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) की लेखापरीक्षा	10.03.2025	13.03.2025

सामान्य पाठ्यक्रम (के.सी.)	से	तक
रेलवे स्टोर्स की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण	20.01.2025	24.01.2025
अनुपालन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय कार्यशाला	03.03.2025	07.03.2025

आईएस/आईटी पाठ्यक्रम	से	तक
आई..डी.ई.ए	20.01.2025	24.01.2025
डेटा विश्लेषण	10.02.2025	14.02.2025
एमएस एक्सेल एडवांस (तिमाही में 02 बार)	24.02.2025 17.03.2025	28.02.2025 21.03.2025
आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत और अभ्यास	03.03.2025	11.03.2025
ओआईओएस में क्यूए/क्यूसी और लेखापरीक्षा उत्पाद मॉड्यूल पर प्रशिक्षण (तिमाही में 02 बार)	29.01.2025 27.03.2025	30.01.2025 28.03.2025
ओआईओएस में अनुवर्ती मॉड्यूल पर प्रशिक्षण (तिमाही में 03 बार)	06.01.2025 13.03.2025 26.03.2025	06.01.2025 13.03.2025 26.03.2025
ओआईओएस में फील्ड विजिट मॉड्यूल पर प्रशिक्षण(तिमाही में 02 बार)	17.03.2025 24.03.2025	18.03.2025 25.03.2025
ओआईओएस में टूलकिट मॉड्यूल पर प्रशिक्षण	20.03.2025	21.03.2025

उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया।

जनवरी से मार्च 2025 की अवधि के दौरान, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के सहयोग से कार्यालय प्रधान महालेखाकार,लेखापरीक्षा-II, पश्चिम बंगाल, कोलकाता में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. 10.01.2025 को ओआईओएस में शुरू की गई नई विशेषताएँ।
2. दिनांक 14.02.2025 तक सहकारिता विभाग का कामकाज
3. 21.02.2025 तक “बिजली शुल्क से संबंधित विनियमन” पर इन-हाउस प्रशिक्षण
4. 26.03.2025 तक ओआईओएस में नई शुरू की गई विशेषताओं पर इन-हाउस प्रशिक्षण

एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ।

संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम):

पंचायती राज संस्थाओं (पंचायती राज संस्थाएँ) के वित्तीय लेखापरीक्षा पर संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम) में पियर समीक्षा टिप्पणियों को विधिवत रूप से शामिल कर लिया गया है और संशोधित संस्करण मुख्यालय को प्रेषित कर दिया गया है। टीजीएस दिशानिर्देशों पर एसटीएम वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। रेलवे के वित्त और विनियोजन खातों की लेखापरीक्षा पर एसटीएम को पियर समीक्षा की प्रतिक्रियाओं के आधार पर संशोधित किया जा रहा है। आईपीएएस - भारतीय रेलवे का एक आईटी अनुप्रयोग की लेखापरीक्षा पर एसटीएम को पियर समीक्षा के बाद अद्यतन कर मुख्यालय को भेज दिया गया है। इसी प्रकार, रेलवे के स्टोर्स और स्टॉक्स की लेखापरीक्षा पर एसटीएम भी मुख्यालय को प्रेषित कर दिया गया है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

ई-शिक्षण मॉड्यूल:

संस्थान ने पंचायतों के लिए मॉडल लेखा प्रणाली और एमएस वर्ड पर ई- शिक्षण मॉड्यूल विकसित किए हैं ताकि डिजिटल शिक्षण पहलों का संरक्षण किया जा सके।

केस स्टडीज:

डब्ल्यूबीएचडीसीएल द्वारा टोल शुल्क की वसूली न किए जाने के कारण ₹2.56 करोड़ की अपरिहार्य राजस्व हानि पर आधारित केस स्टडी और मुंबई उपनगरीय रेलवे में ट्रेन प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन पर आधारित केस स्टडी को अनुमोदन हेतु मुख्यालय को भेजा गया है।

शोध पत्र:

"स्थानीय निकायों में जेंडर इशु" पर शोध पत्र मुख्यालय भेजा गया और "स्वच्छता और जल निकासी में सुधार में पीआरआई की भूमिका" और "स्थानीय निकायों के लेखापरीक्षा में जीआईएस के उपयोग" पर दो अन्य शोध पत्र भेजे गए।

उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता के इन-हाउस संकाय सदस्यों ने विभिन्न कार्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I),एलएडी, पश्चिम बंगाल
- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा -II), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आयुध निर्माणी), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ईएसडी), कोलकाता शाखा
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आर.पी.यू. एवं एम.आर), बर्दवान शाखा
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एसईआर), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ईआर), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एफ.एंड.सी), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एएफ एवं डब्लूआर), कोलकाता
- कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता, शाखा कार्यालय, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (ऑनलाइन)
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता, शाखा कार्यालय, गुवाहाटी, असम (ऑनलाइन)
- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), बिहार, पटना
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), लखनऊ, शाखा कार्यालय पटना (ऑनलाइन)
- भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, कुर्सियांग (ऑनलाइन)
- भारत सरकार टकसाल कार्यालय, कोलकाता

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)
श्री शरत चतुर्वेदी, प्रधान महालेखाकार
श्री मनीष कुमार (III), प्रधान महालेखाकार
श्री अतुल प्रकाश, महालेखाकार
श्री सुब्रमण्यम एन एन, निदेशक
सुश्री प्रियंका त्यागी, उप निदेशक
श्री सतीश एम., उप महालेखाकार
श्री मोहम्मद सुहैल फ़ज़ल, उप निदेशक
श्री सदानंद नस्कर, उप महालेखाकार
सुश्री शर्मिष्ठा चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुशोभन चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुभाष बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री अर्पण कुमार मंडल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री एस.के. असगर अली, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सौमित्र मंडल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री बैजयंती चक्रवर्ती, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुमन भद्र, सहायक लेखा अधिकारी
श्री सौरव बनर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)
श्री विश्वजीत साहा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री आनंद जे. जे. एस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री मीना पी वी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री देवाशीष चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राणा देव, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राजकिशोर मोहापात्रा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सिबोतोष भट्टाचार्य, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राहुल बरुआ, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सौरव गुहा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुभाशीष बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुशांत कर्माकर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राकेश कुमार महाथा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री शुभज्योति मैत्रा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री स्वपन कुमार नस्कर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री स्वपन कुमार नस्कर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री शिलाद्री कुमार ढोल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री देबातोष प्रमाणिक, वरिष्ठ लेखा अधिकारी

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (सरकारी विभाग/सेवानिवृत्त अधिकारी भा.ले.व.ले.वि/सरकारी विभाग)

अन्य (केन्द्रीय) भारत सरकार

श्री अब्दुल हई, उप. मुख्य सामग्री प्रबंधक

सुश्री दीप्ति बग्गा, उप लेखा नियंत्रक, सीबीडीटी

श्री सुब्रत सरकार, बिजनेस फैसिलिटेटर (जीईएम), गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस

श्री देवब्रत सेनगुप्ता, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक

श्री सोमप्रकाश महंत, स.ले.प.अ, जेडएओ, सीबीडीटी, कोलकाता

राज्य (पश्चिम बंगाल सरकार)

श्री अनिल शुक्ला, विशेष सचिव, वित्त विभाग, पश्चिम बंगाल

सुश्री अनन्या दत्ता चौधरी, उप श्रम आयुक्त (पी), पश्चिम बंगाल सरकार।

भा.ले.प.व.ले.वि तथा अन्य सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त अधिकारी

श्री विकाश कुमार महंती, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भा.ले.व.ले.वि

श्री भाबेश मोइत्रा, सेवानिवृत्त। वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री नवीन कुमार प्रजापति, सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा हिंदी)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)

डॉ. सुपर्ण पाठक, उप. महाप्रबंधक

डॉ. आरती पॉल, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. नीरज प्रियदर्शी, वैज्ञानिक/अभियंता एसएफ

डॉ. तनुमी कुमार, वैज्ञानिक/इंजीनियर एस.एफ.

सुश्री शर्मिष्ठा बी पांडे, वैज्ञानिक/अभियंता 'एसई'

डॉ. साधना जैन, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. सीएच. वी. चिरंजीवी जयराम, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. प्रबीर कुमार दास, वैज्ञानिक-एसएफ

श्री ईआर. सागर सुभाषराव सालुंखे, वैज्ञानिक/अभियंता 'एसई'

डॉ. अरिंदम गुहा, वैज्ञानिक जी

सुश्री नीथू चाको, वैज्ञानिक-एसई

डॉ. राजदीप रॉय, वैज्ञानिक-ई

सुश्री निवेदिता सिन्हा, तकनीकी अधिकारी

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (विशेषज्ञ/पेशेवर और भा.ले.व.ले.वि. से सेवानिवृत्त)

प्रोफेसर/वैज्ञानिक

श्री शिवा प्रसाद होता, रजिस्ट्रार, आईआईटी इंदौर

डॉ. दीपा मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएसडब्ल्यूबी

डॉ. पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय

डॉ. मुकुल मित्रा, सहायक महाप्रबंधक, प्रिंसिपल, एनएसएचएम

चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट

सुश्री ऋतुंशा लालवानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री रोशन कुमार बजाज, चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री गोपाल जैन, चार्टर्ड अकाउंटेंट

स्वतंत्र/विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया

श्री हेमंत कुमार पाल, आईटी विशेषज्ञ

श्री आनंद चौधरी, विशेषज्ञ प्रशिक्षक

श्री मानष बंद्योपाध्याय, आईटी विशेषज्ञ

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, मुख्य सशक्तिकरण कोच, आईसीबीआई

श्री अनिमेष देब रॉय, आईटी विशेषज्ञ, स्व-रोजगार

इन-हाउस संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया
श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राजीव कुमार साहू, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री अरुणांग्शु मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रश्नोतरी

1. भारत के वर्तमान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) कौन हैं ?

क) गिरीश चंद्र मुर्मू

ख) के. संजय मूर्ति

ग) राजीव कुमार

घ) अरविंद कुमार

2. बुनियादी ढांचे के विकास के संदर्भ में 'पीपीपी' का संक्षिप्त रूप क्या है?

क) सरकारी निजी कंपनी भागीदारी

ख) निजी-निजी भागीदारी

ग) सार्वजनिक-निजी परियोजना

घ) परियोजना-सार्वजनिक भागीदारी

3. बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अपनाने का निम्नलिखित में से कौन सा प्रमुख लाभ है?

क) पर्यावरणीय संस्वीकृति की आवश्यकता कम हो गई

ख) पूर्ण सरकारी स्वामित्व और नियंत्रण

ग) निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता और निवेश तक पहुंच

घ) सार्वजनिक सेवाओं के लिए उपयोगकर्ता शुल्क समाप्त करना

4. रेलवे स्टोर्स लेखापरीक्षा का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

क) कर्मचारी के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए

ख) रेलवे सामग्री की कुशल खरीद और प्रबंधन सुनिश्चित करना

ग) रेलगाड़ियों की समय-सारणी पर पर्यवेक्षण के लिए

घ) यात्री समाधान का विश्लेषण करने के लिए

5. लेखापरीक्षा उपकरण के रूप में जीआईएस के अनुप्रयोग को किस आईएसएसएआई के तहत मान्यता दी गई है??

क) आईएसएसएआई 4000

ख) आईएसएसएआई 1000

ग) आईएसएसएआई 5540

घ) आईएसएसएआई 2000

6. कौन सा आईएसएसएआई मानक अनुपालन लेखापरीक्षा से संबंधित है?

क) आईएसएसएआई 1000

ख) आईएसएसएआई 4000

ग) आईएसएसएआई 2000

घ) आईएसएसएआई 3000

7. आईआईटी मद्रास द्वारा आईटी लेखापरीक्षा के लिए डेटा साइंस, एआई और साइबर सुरक्षा पर प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए निर्धारित प्रोत्साहन राशि क्या है??

क) रु. 20,000

ख) रु. 25,000

ग) रु. 30,000

घ) रु. 35,000

8.लेखापरीक्षा साक्ष्य की विशेषताओं में निम्नलिखित को छोड़कर सभी शामिल हैं:

क) पर्याप्त

ख) प्रासंगिक

ग) गठरी

घ) वैध एवं विश्वसनीय

9. एमएस एक्सेल का फ्लैश फिल फीचर पैटर्न के आधार पर डेटा को स्वचालित रूप से भरने के लिए मुख्य रूप से किस तकनीक पर निर्भर करता है?

क) यंत्र अधिगम

ख) ब्लॉकचेन

ग) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण

घ) क्लाउड कम्प्यूटिंग

10.लोक लेखा समिति के सदस्यों का अधिकतम कार्यकाल कितना है?

क) 2 वर्ष

ख) 3 वर्ष

ग) 5 वर्ष

घ) 1 वर्ष

उत्तर पृष्ठ संख्या 34 पर दिया गया हैं।

प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. ख	6. ख
2. क	7. ख
3. ग	8. ग
4. ख	9. क
5. ग	10. घ

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA
SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता

तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग),डीएफ ब्लॉक,

सॉल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता - 700064

दूरभाष नंबर. 033- 23213907/6708

ईमेल: rtikolkata@cag.gov.in